

प्रेषक,

डॉ०एम०सी०जोशी,  
सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
माध्यमिक शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 30 अक्टूबर, 2015

विषय:

प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (एल०टी०) एवं प्रवक्ताओं के अल्पकालीन रिक्त पदों पर विजिटिंग शिक्षकों की व्यवस्था हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: अर्थ-1/5क(01)(31)/11489/2015-16 दिनांक: 24 जुलाई, 2015 के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या: 151/XXIV-नवसृजित/ 2015-07(2)/14 दिनांक: 13 अप्रैल, 2015 के क्रम में अवगत कराना है कि प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (एल०टी०) एवं प्रवक्ताओं के रिक्त पदों पर विजिटिंग शिक्षकों को मानदेय की धनराशि का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में धनराशि की व्यवस्था नहीं है।

इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (एल०टी०) एवं प्रवक्ताओं के अल्पकालीन रिक्त पदों पर नितान्त अस्थायी रूप से कुल 3400 विजिटिंग शिक्षकों को रुपये 15000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय की धनराशि का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु कुल रुपये 1020.00 लाख (रुपये दस करोड़ बीस लाख मात्र) की धनराशि को वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य आकस्मिकता निधि से आहरित कर प्रश्नगत योजनान्तर्गत आपके निर्वर्तन पर रखते हुए नियमानुसार व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्नांकित प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(1) आकस्मिकता निधि से उक्त स्वीकृत की जा रही अग्रिम की धनराशि की प्रतिपूर्ति वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में नई मांग के माध्यम से संगत योजना की मानक मद में धनराशि की व्यवस्था कराते हुए प्राप्त होने वाली धनराशि द्वारा यथासमय कर ली जायेगी।

(2) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय।

(3) यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को ऐसी किसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।

(4) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों तथा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(5) उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

क्रमश:-2





(6) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अस्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनके व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

(7) कुल स्वीकृत की जा रही धनराशि में आवंटन के पश्चात यदि धनराशि अवशेष बचती है तब उसे नियमानुसार शासन को समयान्तर्गत समर्पित किया जायेगा।

2. इस संबंध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201 समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या 11 के आयोजनागत के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा, 02-माध्यमिक शिक्षा, 109 राजकीय माध्यमिक विद्यालय, 16-विजिटिंग शिक्षकों का मानदेय, 07-मानदेय के अन्तर्गत प्राविधानित होने वाली धनराशि की मानक मद के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(डॉ०एम०सी०जोशी)  
सचिव।

रा०आ०निधि संख्या 81/XXVII(1)/2015/ रा०अ०नि०, दिनांक: 29 अक्टूबर 2015

प्रतिलिपि: महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी-प्रथम) उत्तराखण्ड देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से

(श्रीधर बाबू अददाकी)  
अपर सचिव, वित्त

पृष्ठांकन संख्या : 1471 /XXIV-3/15/02(114)2015 . तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा०मंत्री, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
6. महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. समस्त जिलाधिकारी उत्तराखण्ड।
8. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
9. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी उत्तराखण्ड।
10. वित्त अनुभाग-1/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय।
11. बजट एवं राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर।
12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23-लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
13. एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून
14. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(महिमा)  
उप सचिव।